Dr. Sunil Kr. "Suman"
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date- 10-08-2020

Mental ASPect
मानसिक पहलु

मानसिक पहलु का अर्थ (Meaning of Mental aspect):-

फ्रायड का विचार था कि व्यक्ति के व्यवहार (सामान्य या असामान्य) को समझने के लिए यह आवश्यक है कि उसके व्यक्तित्व (Personality) के विकास (Development) तथा संगठन (Organization) का अध्ययन किया जाय। व्यक्तित्व के विकास एवं संगठन का अध्ययन करने के लिए यह आवश्यक है कि उसके मन (mind) या मानसिक पहलु (Psychic aspect) का अध्ययन किया जाय। ~~फ्रायड~~ फ्रायड के अनुसार मन या मानसिक पहलु से तात्पर्य व्यक्तित्व के उन कारकों से होता है जिसे हम अन्तरात्मा (Self & Psyche) कहते हैं तथा जो हमारे व्यक्तित्व में संगठन पैदा करके व्यवहारों को वातावरण के साथ समायोजन (adjustment) करने में मदद करता है।

① (1) मन का गत्यात्मक पहलु (Dynamic ASPect of mind):- फ्रायड के अनुसार मन के गत्यात्मक पहलु (dynamic aspect) से तात्पर्य उन प्रतिनिधियों या साधनों (means) से होता है जिसके द्वारा मूल प्रवृत्तियों (Instincts) से उत्पन्न मानसिक संघर्षों (mental conflicts) ~~का~~ का समाधान होता है। ब्राउन (Brown) के अनुसार "व्यक्तित्व के गत्यात्मक पहलु से फ्रायड का तात्पर्य उन प्रतिनिधियों से होता है जिनके मूल प्रवृत्तियों के से उत्पन्न होने वाले संघर्षों का समाधान किया जाता है।"

P.T.O.

Scanned with CamScanner

"by the dynamic aspects of the self, Freud means the agents through which conflict arising in the instincts are worked out" - (Brown)

मूलप्रवृत्तियों (Instincts) से फ्रायड का तात्पर्य वैसे जन्मजात शारीरिक उत्तेजन (Innate bodily excitation) से होता है जिसके द्वारा व्यक्ति के सभी तरह के व्यवहार निर्धारित किए जाते हैं। फ्रायड ने मूल प्रवृत्तियों को दो भागों में बाँटा है - जीवन मूलप्रवृत्ति तथा (Life instinct) तथा मृत्यु मूलप्रवृत्ति (death instinct) जीवन मूलप्रवृत्तियों द्वारा व्यक्ति के सभी तरह के रचनात्मक कार्यों (constructive works) का तथा मूलप्रवृत्ति द्वारा व्यक्ति के सभी प्रकार के ध्वंसात्मक (destructive) कार्यों तथा आक्रमणकारी व्यवहारों (aggressive behaviours) का निर्धारण होता है। सामान्य व्यक्तित्व में इन दोनों तरह के प्रवृत्तियों का एक संतुलन बना होता है। जब इन परस्पर विरोधी मूल प्रवृत्तियों में संघर्ष होता है तो व्यक्ति उनका समाधान करने की कोशिश करता है। इस तरह के समाधान के लिए फ्रायड ने मूलतः तीन प्रतिनिधियों (agents) का वर्णन किया है।

(1) उपाहं (Id)

(2) अहं (Ego)

(3) पराहं (Super Ego)

इन तीनों का वर्णन निम्नांकित है।

Next class

Scanned with CamScanner